शनिवार
16 जुलाई 2022

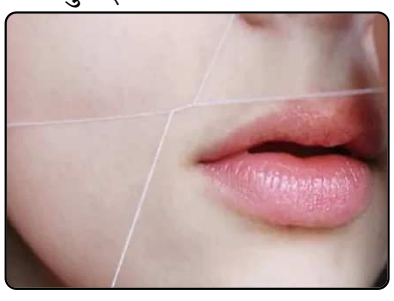

पृष्ठ 4

बिना थ्रेडिंग और ब्लीच के पाएं अनचाहे बालों से छुटकारा

पृष्ठ 8

मुख्यमंत्री धामी ने हरेला पर्व पर दी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 161
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

समय और बुद्धि बड़े से बड़े शोक को भी कम कर देते हैं।
– कहावत

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

बदले गए दून के डीएम व एसएसपी

❑सोनिका होंगी नई जिलाधिकारी दिलीप सिंह नए एसएसपी

विशेष संवाददाता

देहरादून। राजधानी देहरादून के जिलाधिकारी और एसएसपी को बदल दिया गया है। अवकाश के दिन जिले के दोनों बड़े अधिकारियों के अचानक और एक साथ किये गये तबादले कई कारणों से चर्चाओं में है।

दून के जिलाधिकारी आर.राजेश कुमार और एसएसपी जन्मेजय खंडूरी की जगह अब उत्तराखंड शासन ने अपर सचिव सोनिका और दिलीप सिंह कुंवर को यह जिम्मेवारी सौंपी गई है। आईएएस सोनिका अब दून की नई जिलाधिकारी होंगी, वहीं जन्मेजय खंडूरी की जगह दलीप सिंह कुंवर को एसएसपी देहरादून की जिम्मेदारी सौंपी गई है। देहरादून एसएसपी पद पर तैनात डीआईजी जन्मेजय को अब डीआईजी पीएसी पद पर नई तैनाती दी गई है वहीं जिलाधिकारी आर राजेश कुमार को अभी फिलहाल कहीं भी तैनाती न देकर उनको प्रतीक्षा सूची में डाल दिया गया है।

जनपद के दोनों बड़े अधिकारियों के इन तबादलों को पनिशमेंट ट्रांसफर के तौर पर देखा जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इन दोनों ही अधिकारियों के बारे में मुख्यमंत्री को लंबे समय से शिकायतें मिल रही थी। राजधानी दून में चल रहे स्मार्ट सिटी के कामों में हो रही लापरवाही और देरी को लेकर जहां लोग परेशान हैं वहीं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी खुश नहीं थे। उल्लेखनीय है कि स्मार्ट सिटी के कामों को ठीक से सही समय पर कराने की जिम्मेदारी जिलाधिकारी पर ही होती है। विभागीय भ्रष्टाचार के कारण स्मार्ट सिटी के कामों में गुणवत्ता की शिकायतें तो मिल ही रही थी इसके साथ ही कामों में हो रही देरी से दून के लोग परेशान थे। राजधानी दून की सड़कों की स्थिति स्मार्ट सिटी के कामों के कारण बदहाल बनी हुई हैं। मुख्यमंत्री की नाराजगी को इससे भी समझा जा सकता है कि उन्हें दून के

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

अधिकारी जन समस्याओं को टाले नहीं समाधन करें: धामी

❑बागेश्वर में श्रावणी मेले का किया उद्घाटन

विशेष संवाददाता

बागेश्वर। आज अल्मोड़ा दौरे पर बागेश्वर पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यहां आयोजित होने वाले पौराणिक श्रावणी मेले का विधिवत पूजा पाठ के साथ उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हरेला पर्व हमें अपनी प्रकृति के साथ सानिध्य बनाए रखने का संदेश देता है। प्रकृति से हमें जीवन मिलता है इसलिए प्रकृति के संरक्षण की अपनी जिम्मेवारी को भी हम सभी को समझने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की जनता ने उन्हें जो जिम्मेवारी सौंपी है वह उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार का कामकाज जनता की सेवा करना है जनता की समस्याओं के समाधान के लिए उन्होंने सचिवालय से लेकर ब्लॉक और तहसील तथा जिला स्तर तक सप्ताह में 1 दिन अधिकारियों के लिए जनता की समस्याओं को सुनने और उनका समाधान करने के लिए रखा है।

उन्होने कहा कि संकल्प, सरलीकरण और समाधान उनकी सरकार का मूल मंत्र है। अधिकारी किसी भी समस्या से जुड़ी फाइल को यह कहकर कि यह नहीं हो सकता, निस्तारण नहीं कर सकते। समस्या का सरल निस्तारण क्या है? वह किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में अब एक नई कार्य संस्कृति विकसित की है, काम फाइलों में नहीं धरातल पर दिखना चाहिए। 'सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास' भाजपा की संस्कृति है समाज के अंतिम छोर वाले व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे। कोई पीछे न रहे सब साथ मिलकर आगे बढ़े, उनका और उनकी सरकार का यही प्रयास है। इस दौरान काबीना मंत्री सुबोध उनियाल भी उनके साथ थे।

मैक्सिको में नौसेना का हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, 14 लोगों की मौत

नई दिल्ली । मैक्सिको नौसेना का हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया हैं, जिसमे 14 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई हैं। घटना के बाद नौसेना ने ऑफिसियल स्टेटमेंट जारी कर शोक व्यक्त किया हैं। इस बारे में मेक्सिकन नौसेना ने बताया कि मेक्सिको के बड़े ड्रग माफिया राफेल कारो क्विनतेरो की गिरफ्तारी और उसे ले जाने के दौरान यह हादसा हुआ हैं। दरअसल, राफेल कारो क्विनतेरो को उत्तरी राज्य सिनालोआ से गिरफ्तार किया गया था। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने नौसेना के हवाले से कहा कि अभी तक हादसे के कारणों का पता नहीं चल पाया है। सैन्य हेलीकॉप्टर में 15 लोग सवार थे, जिसमें 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया। वही, नौसेना ने कहा, हम इस दुर्घटना में अपनी जान गंवाने वालों की मौत पर शोक व्यक्त करते हैं। साथ ही बताया कि हेलीकॉप्टर दुर्घटना और क्विनतेरो की गिरफ्तारी के बीच कनेक्शन की अभी कोई पुष्टि नहीं हुई है। राफेल पर लंबे समय से ड्रग के अवैध कारोबार का आरोप है। संयुक्त राज्य अमेरिका भी उसे पकड़ने की कोशिश कर रहा था। वह 1985 में यूएस ड्रग एन्फोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन (डीईए) के एक एजेंट एनरिक केमरेना सालाजार की हत्या के लिए उसे प्रत्यर्पित करना चाहता है। बता दें कि केमरेना मामले के कारण, मेक्सिको और अमेरिका के बीच संबंध तनावपूर्ण है। इसका खुलासा पूर्व डीईए एजेंट हेक्टर बेरेलेज ने एक इंटरव्यू में किया था।

कोरोना संक्रमण ने पकड़ी रफ्तार, देश में बीते 24 घंटे में दर्ज हुए 20 हजार से ज्यादा केस, 56 मरीजों की मौत

नई दिल्ली । भारत में कोरोना वायरस के संक्रमण ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है। देश में शनिवार को लगातार दूसरे दिन कोविड-19 के 20 हजार से ज्यादा नए मामले सामने आए हैं। शुक्रवार को 20,038 केस दर्ज हुए थे। संक्रमण के नए मामलों में हो रही बढ़ोतरी के चलते देश में एक्टिव केस की संख्या एक लाख 40 हजार का आंकड़ा पार कर गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शनिवार सुबह जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस के 20,044 नए केस दर्ज होने के बाद अब तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 43,730,071 हो गई है। इसके साथ ही इस दौरान हुई 56

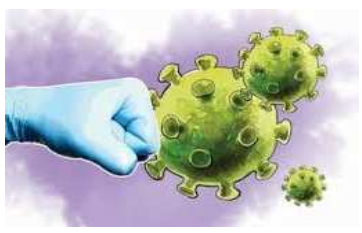

लोगों की मौत के बाद मृतकों का आंकड़ा 5, 25, 660 हो गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, देश में लगातार बढ़ रहे कोरोना वायरस के नए मामलों के चलते राष्ट्रीय स्तर पर एक्टिव केस की संख्या 1,40,760 हो गई है। इसके साथ ही बीते 24 घंटों में कोरोना संक्रमण से ठीक होने वाले मरीजों की संख्या 18,301 रही। मंत्रालय के अनुसार, डेली पॉजिटिविटी रेट 4.80 प्रतिशत, जबकि वीकली पॉजिटिविटी रेट 4.40 प्रतिशत है। देश में अब तक कुल 4,30,63,651 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड-19 से डेथ रेट 1.20 प्रतिशत है। वहीं, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 199.71 करोड़ खुराकें दी जा चुकी हैं। गौरतलब है कि देश में सात अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे।

दून वैली मेल

संपादकीय

असहनीय किराया वृद्धि

उत्तराखंड राज्य परिवहन प्राधिकरण द्वारा यात्री वाहनों के किराए में 15 से 27 फीसदी और माल भाड़े में 35 से 40 फीसदी की वृद्धि कर दी गई है। यह अलग बात है कि यह किराया वृद्धि 3 साल बाद की गई है इससे पूर्व फरवरी 2020 में किराया वृद्धि की गई थी। यह भी सच है कि इस दौरान पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 40 से 45 फीसदी वृद्धि हो चुकी है जिसके कारण उत्तराखंड राज्य परिवहन निगम भारी घाटे में चल रहा है उसे इस किराया वृद्धि से भारी राहत मिलेगी लेकिन सवाल यह है कि क्या इन 3 सालों में आम आदमी की आमदनी में इसी अनुपात में वृद्धि हुई है। किराया भाड़ा वृद्धी की मार जिस आम आदमी पर पड़ेगी उसकी आय बढ़ाने की बात तो छोड़िए समग्र महंगाई की मार झेल रहा आम आदमी पहले से ही इतनी मुश्किलें झेल रहा है कि यह किराया वृद्धि उसकी कमर तोड़ने जैसा ही है। आम उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों में हुई भारी वृद्धि और रसोई गैस सिलेंडर से लेकर पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों ने आम आदमी का बजट बिगाड़ दिया है। अब उसके ऊपर से उस पर महंगाई की एक और बड़ी चोट इस किराया वृद्धि के रूप में की गई है। असल में यह एक असंतुलित विकास की मिसाल है। सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल उस आम आदमी द्वारा किया जाता है जिसे हम निम्न आय वर्ग या निम्न मध्यम आय वर्ग में शुमार करते हैं। जो वर्तमान महंगाई के दौर में सबसे ज्यादा परेशान है। जो महंगाई के कारण और अधिक गरीब होता जा रहा है। जिस तबके को सरकार मुफ्त राशन और सब्सिडी देकर जिंदा रखे हुए हैं। बात हम अगर कोरोना काल की करें तो इस दौरान करोड़ों परिवार जो गरीबी की रेखा से ऊपर आने वाले थे वह फिर गरीबी की गहरी खाई में धकेले जा चुके हैं। जितने लोगों का रोजगार कोरोना काल में गया उतने लोगों को बीते 5 साल में भी रोजगार नहीं मिल सका। सत्ता में बैठे लोग भले ही समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के भी उत्थान की बात करते रहे हो और उन्हें अच्छे दिन लाने का सपना दिखाते रहे हो लेकिन उनके कितने अच्छे दिन आज सके हैं इसका सच सिर्फ वही जानते हैं। इस किराया वृद्धि से परिवहन निगम को राहत मिल सकती है। ट्रांसपोर्ट कारोबारियों को राहत मिल सकती है टैक्सी, टेंपो व विक्रम तथा ऑटो रिक्शा चालकों को राहत मिल सकती है लेकिन आम आदमी पर यह महंगाई की बड़ी चोट है। क्योंकि यह बढ़ोतरी अत्यधिक बढ़ोतरी है। और आम आदमी के लिए असहनीय बढ़ोतरी है। अच्छा होता कि परिवहन प्राधिकरण थोड़ा हल्का हाथ रखता। दरअसल आम आदमी के पास विरोध की भी क्षमता नहीं है। हर एक उस बोझ को जो उसकी जेब पर डाला जाता है, सहना उसकी एक बड़ी मजबूरी ही होता है। लेकिन अति का अंत भी ठीक नहीं होता जिस का एक उदाहरण श्रीलंका है।

वृक्षारोपण कर उत्साह के साथ मनाया हरेला पर्व

कार्यालय संवाददाता

उत्तरकाशी। जिले में हरेला पर्व उत्साह के साथ मनाया गया। सभी विकास खंडों, तहसील स्तर एवं विद्यालयों के साथ ही वन,कृषि,उद्यान विभाग सहित स्वंय सेवी संस्थाओं,अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण किया गया। वन विभाग के तत्वावधान में धनपुर गांव के समीप वृक्षारोपण कार्यक्रम में डीएम अभिषेक रुहेला ने रुद्राक्ष और बांज की पौध रोपित कर हरेला पर्व का शुभारंभ किया। इस दौरान गंगा विचार मंच के प्रदेश संयोजक लोकेंद्र बिष्ट,डीएफओ पुनीत तोमर,सीडीओ गौरव कुमार,ग्राम प्रधान धनपुर राममूर्ति गुसाईं,प्रधान मानपुर सहित ग्रामीणों द्वारा भी पौध रोपित की।

जिलाधिकारी ने कहा कि इस वर्षाकाल में करीब 1 लाख से अधिक पौध रोपित की जाएगी। जिसकी आज से शुरुआत हो गई है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के संरक्षण व संवर्धन के लिए ग्रामीणों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए जिले में जिन ग्रामीण क्षेत्रों में वृक्षारोपण कार्य हो रहा है,उसकी अपनी देख-रेख में निगरानी रखी जाए। ताकि आने वाले समय में ग्रामीण उसका लाभ ले सकें।

डीएम ने कहा कि हरेला पर्व के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश जनपद के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचा है। हर नागरिक को पर्यावरण के संवर्धन और संरक्षण का प्रयास करना चाहिए। वृक्षारोपण करने के साथ उनकी रक्षा करना भी हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है। साथ ही ऐसी गतिविधियां जो हमारे पर्यावरण को नुकसान पहुंचाती है उन पर नियंत्रण रखना भी आवश्यक है। वृक्षारोपण कार्यक्रम के बाद जिलाधिकारी ने मानपुर गांव में बीज बम अभियान की भी शुरुआत की। तथा ग्रामीणों के साथ गोष्ठी कर वृक्षारोपण के महत्व के बारे में जानकारी दी। इस दौरान ग्रामीणों द्वारा अपनी समस्या भी जिलाधिकारी के समक्ष रखी। जिस पर जिलाधिकारी यथा समय निराकरण करने का भरोसा दिया। जिलाधिकारी ने कहा गांव में आजीविका को बढ़ावा देने हेतु भरसक प्रयास किया जाएगा। पारम्परिक खेती के इतर नकदी फसलों एवं दुग्ध उत्पादन,मौन पालन के कार्यों को व्यापक स्तर पर किया जाय। मौन पालन एवं दुग्ध उत्पादन की बढ़ती हुए संभावनाओं को देखते हुए जिलाधिकारी ने ग्रामीण क्षेत्रों में शहद और दुग्ध उत्पादन की क्षमता बढ़ाने की दिशा में कार्य करने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए। ग्रामीणों की आजीविका को मजबूत करने हेतु प्रशिक्षण देने के भी निर्देश दिए गए। उधर धनपुर में नमामि गंगे योजना के अंर्तगत बृहद वृक्षारोपण एवं कीर्ति इंटर कालेज में गोष्टी का आयोजन किया गया। इससे पूर्व जिलाधिकारी ने मनरेगा के अंर्तगत निर्माण कार्यों का भी स्थलीय निरीक्षण कर जायजा लिया। तथा सम्बंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिए।

इस अवसर पर एसडीएम मीनाक्षी पटवाल,डीडीओ केकेपंत,सीएचओ डॉ रजनीश सिंह,जिला युवा कल्याण अधिकारी जितेंद्र वर्मा,जिला समाज कल्याण अधिकारी सुधीर जोशी,पर्यावरण प्रेमी प्रताप मटूड़ा,आपदा प्रबंधन अधिकारी देवेंद्र पटवाल, गोपाल राणा सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

मर्तोलिया ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का औचक निरीक्षण

संवाददाता

मुनस्यारी। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का औचक निरीक्षण कर जरूरी दिशा निर्देश दिये।

आज यहां जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। केन्द्र में भर्ती मरीजों का हाल चाल जाना और मरीजों को बेहतर उपचार सुविधा दिए जाने के लिए समुचित प्रबंध करने को कहा। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया सुबह अचानक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आ धमके। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. गौरव कुमार की उपस्थिति में जिपंस मर्तोलिया ने उपस्थिति पंजिका का निरीक्षण किया। उपस्थिति पंजिका में अवकाश तथा न्यायालय के कार्यों से बाहर गए चिकित्सकों के अवकाश का विवरण दर्ज नहीं था, जिसे दर्ज कराया गया। भविष्य में अवकाश का विवरण नियमित रूप से दर्ज करने के लिए कहा। नाइट में आपातकालीन डियूटी में रहने वाले चिकित्सकों तथा स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए विश्राम कक्ष बनाने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के लिए कहा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के वार्डों में जाकर भर्ती मरीजों को देखा। अस्पताल में तैनात डां राशिद से मरीजों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने भर्ती मरीजों के परिजनों से अस्पताल में चल रहे उपचार पर आ रही दिक्कतों की जानकारी भी ली। अस्पताल में औषधि भण्डारण की स्थिति की जानकारी भी ली। मर्तोलिया ने कहा कि अस्पताल में मरीजों को किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो, इसके लिए व्यवस्थाएं चुस्त दुरुस्त किया जाय। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने 60 साल से ऊपर के लोगों के लिए बुस्टर उपलब्ध नहीं होने पर नाराजगी जताई। मर्तोलिया ने कहा कि स्वास्थ्य महकमा इस अव्यवस्था को तत्काल प्रभाव से दूर करें।

प्रारंभिक शिक्षा से ही हरेला का महत्व बच्चों को बताया जायेः वर्मा

देहरादून। पिछडा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष अशोक वर्मा ने सरकार से आग्रह किया कि हरेला पर्व के संबंध में जानकारी देने हेतु स्कूलों में प्रारंभिक शिक्षा से ही हरेला के महत्व को छोटे बच्चों को बताया जाए ताकि वे अपने प्रदेश को हरा भरा कर सके। आज यहां पंडित दीनदयाल पार्क एवं नरदेव शास्त्री मार्ग पर वृद्ध वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया । इस अवसर पर लीची ,अमरूद और अन्य फलदार वृक्ष रोपित किए गए । वर्मा ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन की रक्षा करते हैं ,हमें फल देते हैं, हमें छाया देते हैं ,हमें ऑक्सीजन देते हैं, हमें यह नहीं भूलना चाहिए। (अधिवक्ता), ज्योति नरूला सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

अभि त्वा शूर नोनुमोऽदुग्धा इव धेनवः।
ईशानमस्य जगतः स्वर्दृशमीशानमिन्द्र तस्थुषः।।
(ऋग्वेद ७-३२-२२)

हे परमेश्वर ! तुम समस्त जगत को धारण किए हुए हो। तुम समस्त स्थावर और चराचर जगत के स्वामी हो। जिस तरह बिना दुही गाय अपने बछड़े को दूध पिलाने के लिए ललायित रहती है, उसी प्रकार हम भी तुम्हारे लिए ललायित रहते है।

O God ! You are the beholder of the universe. You are the lord of the world of moving and unmoving. We adore you like an unmilked cow lowing for a calf to feed. (Rig Ved 7-32-22)

विधायक सविता कपूर ने भी किया वृक्षारोपण

संवाददाता

देहरादून। विधायक श्रीमती सविता कपूर के द्वारा उत्तराखण्ड के लोकपर्व हरेला के उपलक्ष्य में विभिन्न स्थानों में पौधा तथा वृक्षारोपण किया गया। विधायक ने हरेला के उपलक्ष्य में 40 सीमाद्वार की केदार पार्क यमुना कॉलोनी के अटल पार्क प्रेमनगर सनातन धर्म मंदिर विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण किया और 100 से अधिक वृक्ष लगाए। श्रीमती सविता कपूर ने कहा कि हरेला उत्तराखंड का लोक पर्व है हरेला का मतलब है हरियाली. उत्तराखंड में गर्मियों के बाद जब सावन शुरू होता है, तब चारों तरफ हरियाली नजर आने लगती है, उसी वक्त हरेला पर्व मुख्य रूप से मनाया जाता है। इस अवसर पर विजेंद्र थपलियाल बबलू बंसल संतोष कोटियाल शेखर नौटियाल सुमित पांडे सोनू बाबू राम रजनी देवी अभिषेक शर्मा महेंद्र कौर कुकरेजा संजय सिंघल विनोद रावत राकेश शर्मा अतुल बिष्ट आदि कार्यकर्ताओं ने वृक्षारोपण में भाग लिया।

हरेला पर्व पर किया वृक्षारोपण

संवाददाता

हरिद्वार। पावन हरेला पर्व को जहां उत्तराखंड राज्य में संकल्प दिवस के रूप में मनाया जा रहा है वही पूर्व मंडी अध्यक्ष, भाजपा के वरिष्ठ नेता संजय चोपड़ा द्वारा कंधारी धर्मशाला स्थित प्रांगण में छोटे-छोटे गमलों के अंदर बेल वृक्ष, आम, रात की रानी चमेली, अशोक नीम इत्यादि जातियों के फलदार वृक्ष रोपण किए। इस अवसर पर भाजपा नेता संजय चोपड़ा ने कहा पावन हरेला पर्व हमें पर्यावरण से प्रेम करने की प्रेरणा देता है उत्तराखंड राज्य में चिपको आंदोलन की अगुवाई में उत्तराखंड की मातृशक्ति द्वारा की गई थी आज हरेला पर्व पर सभी सामाजिक कार्यकर्ताओं को संकल्प लेना चाहिए कि हर माह किसी सार्वजनिक स्थल पर एक वृक्ष जरूर लगाएं। कंधारी धर्मशाला स्थित प्रांगण में वृक्षारोपण करते कुंवर सिंह मंडवाल, राजेश खुराना, संजय भारद्वाज, सुंदरलाल राजपूत, रवि सभरवाल, संजय बंसल, विवेक रावत, सोनू गर्ग आदि प्रमुख रूप से शामिल

महाकाल के भक्त सामाजिक संस्था ने हरेला पर्व पर किया वृक्षारोपण

नगर संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड के लोकपर्व हरेला के पावन अवसर पर देहरादून की प्रमुख समाज सेवा कार्य में अग्रणी महाकाल के भक्त सामाजिक संस्था के सदस्यों द्वारा आज तिलक रोड स्थित राष्ट्रीय स्वयं सेवक प्रान्त कार्यालय में वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान आमजन को जागरूक कर हरित प्रतिज्ञा ली गयी साथ ही स्वच्छ पर्यवरण के लक्ष्य को दोहराते हुए विभिन्न प्रजाति के पौध लगाने का आह्वाहन किया गया एवं केवल हरेला पर्व पर ही नही अपितु पूरे वर्ष में समय समय पर पौधरोपण कार्यक्रम संस्था द्वारा करने की वचनबद्धता दोहराई गयी।

इस अवसर पर किच्छा विधायक राजेश शुक्ला ने पौधरोपण करते हुए संस्था के द्वारा किये जा रहे सामाजिक कार्यो की प्रशंसा करते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी में अपने देश,समाज और क्षेत्र के प्रति सजग होकर समाज की सेवा करते देखना बहुत ही सुखद लगता हैं। विधायक द्वारा संस्था के सदस्यों को उनके द्वारा किये जा रहे सेवा कार्यो एवं लोकपर्व हरेला पर बधाई एवं शुभकामनॉए दी गयी। इस मौके पर विशाल जिंदल, राम मित्तल महाकाल के दीवाने सामाजिक संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष दीपक जेठी, प्रचार प्रसार संयोजक नवेन्दु चौहान, वैभव अग्रवाल, अंकुर मल्होत्रा ,चाय पर चर्चा टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

मोटरसाईकिल चोरी

देहरादून (सं)। चोरों खुले स्थान से मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार नई बस्ती कैनाल रोड निवासी मनीष यादव ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह सहस्त्रधारा में घुमने गया था। उसने अपनी मोटरसाईकिल होटल सहस्त्रधारा हिल्स के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वहां आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एमडीडीए उपाध्यक्ष से की अतिक्रमण हटाने की मांग

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस प्रदेश सचिव व महानगर सेवादल प्रभारी पीयूष गौड ने एमडीडीए उपाध्यक्ष को ज्ञापन सौंप शहर में होने वाले अतिक्रमण को हटाने की मांग की। आज यहां कांग्रेस प्रदेश सचिव व महानगर सेवादल के प्रभारी पीयूष गौड एमडीडीए कार्यालय पहुंचे जहां पर उन्होंने उपाध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि हर क्षेत्र में जगह-जगह अतिक्रमण से आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पडता है। आज प्रत्येक क्षेत्र में लोगों ने आवासीय स्थान को व्यवसायिक बना दिया है लेकिन किसी ने भी मानकों के अनुसार पार्किंग नहीं छोडी है। पहले तो दुकानदार अपनी दुकान का डिस्प्ले दुकान के बाहर ढाई फुट जगह घेर कर रखता है और आने वाले ग्राहक पार्किंग ना होने की वजह से तीन फुट जगह घेर लेते है और जब सडक के दोनों ओर व्यवसायिक गतिविधि हो तो 20 फीट का रास्ता मात्र 8-9 फीट का ही शेष रह जाता है। यदि कोई इस पर दुकानदार से पार्किंग बनाने की बात कहता है तो दुकानदार अपनी गलती मानने के बजाय राहगीरों से लडने लगते है। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाकर रोक ना लगायी गयी तो कांग्रेस सेवादल धरना प्रदर्शन को मजबूर होगा। इस अवसर पर सुदामा सिंह, भूपेन्द्र धीमान, रामसिंह आदि मौजूद थे।

वैश्य समाज ने हरेला पर रखी चित्रकला प्रतियोगिता

संवाददाता

देहरादून। भारतीय वैश्य महासंघ ने हरेला पर्व पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें कक्षा पांच की सोनम ने प्रथम व कक्षा चार की आरती ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

आज यहां भारतीय वैश्य महासंघ,जी. एम.एस. मंडल, देहरादून की ओर से आदित्य दून शायर, साईं लोक तथा राजकीय प्राथमिक विद्यालय, ढंडार में

❑सोनम प्रथम व आरती द्वितीय स्थान पर रही

उत्तराखंड के लोक पर्व हरेला के पावन पर्व पर वृक्षारोपण एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वृक्षारोपण करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय वैश्य महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष विनय गोयल ने कहा कि उत्तराखंड अपनी प्राकृतिक सौंदर्यता, सुरमयता, रमणीयता एवं बासंती वैभव के लिए जग प्रसिद्ध रहा है।

उत्तराखंड में स्थित हिमालय की हरीतिमा संपूर्ण विश्व को आकर्षित करती है। उत्तराखंड को हरा भरा बनाए रखने के लिए प्रतिवर्ष 16 जुलाई को हरियाली का पर्व हरेला मनाया जाता है। गोयल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण एवं संवधन के लिए न केवल हमको वृक्ष लगाने हैं,वरन जिस प्रकार हम नवजात बच्चों की देखभाल करते हैं, उसी प्रकार से हमको इन छोटे पौंघों की कम से कम 1 वर्ष तक देखभाल करनी है। हमें इन पौधों को समय से निराई गुड़ाई के साथ-साथ खाद पानी भी देना है।

संस्था के सह सचिव एवं मीडिया प्रभारी संजय गर्ग ने बताया कि राजकीय प्राथमिक विद्यालय ढंडार में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए तथा वृक्षों की महत्ता बताने के लिए छात्र छात्राओं के मध्य एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कक्षा पांच की सोनम ने प्रथम स्थान, कक्षा 4 की आरती ने द्वितीय स्थान तथा कक्षा 5 की रोशनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजयी छात्राओं को भारतीय वैश्य महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष विनय गोयल ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस पावन पर्व पर छायादार, फलदार एवं सजावटी 50 से अधिक पौधे लगाए गए।

स्कूल में चोरी का प्रयास

संवाददाता

देहरादून। स्कूल में चोरी का प्रयास करने व फाइलों को खुर्द बुर्द करने पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शिमला बाईपास स्थित पब्लिक स्कूल के संचालक शिव सिंह ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आज सुबह जब वह स्कूल में आये तो उन्होंने देखा कि उनके कार्यालय का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारी फाईलें अस्त व्यस्त पडी हुई थी। उन्होंने बताया कि अज्ञात व्यक्ति ने उनके कार्यालय में चोरी का प्रयास करने के साथ ही फाईलों को खुर्द बुर्द कर दिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

लोकपर्व हरेला के तहत किया वृक्षारोपण

कार्यालय संवाददाता

उत्तरकाशी। पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने वाले उत्तराखंड के सबसे अधिक महत्वपूर्ण लोकपर्व हरेला के तहत आज गँगा विचार मंच उत्तराखंड, जिला प्रशासन, वन विभाग व राजकीय महाविद्यालय उत्तरकाशी के साथ नमामि गंगे की थीम सेल्फी विद प्लांट्स के साथ वृक्षारोपण की शुरुआत की।

गँगा विचार मंच के प्रांत संयोजक लोकेंद्र सिंह बिष्ट, डीएम अभिषेक रुहेला, डीएफओ पुनीत तोमर, सीडीओ गौरव कुमार, एसडीएम मीनाक्षी पटवाल, रेंजर प्रदीप बिष्ट, प्रिंसिपल प्रोफेसर सविता गैरोला, प्रोफेसर महेंद्र पाल परमाल, स्वजल के प्रताप मटूड़ा, प्रताप बिष्ट, शैलेन्द्र नौटियाल, गीता गैरोला आदि ने सेल्फी विद पॉन्ट्स थीम के साथ पौधारोपण किया। प्रांत संयोजक लोकेंद्र सिंह बिष्ट ने कहा कि रोपित पौधे की देखभाल के साथ हर तीन महीने में एक सेल्फी लेकर ये तय किया जाय कि पौधा जिन्दा रहे। जिस पौध का रोपण करें इसकी देखभाल 3 साल तक अवश्य करें। ऐसा न हो कि मात्र फोटो खींचने तक ही हरेला व वृक्षारोपण कार्यक्रम सिमट जाय। जिलाधिकारी अभिषेक रुहेला ने कहा कि हमे अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए पर्यावरण को बचाना होगा।

वृक्ष लगाने से होती है धर्म, अर्थ काम और मोक्ष की प्राप्तिः जोशी

संवाददाता

देहरादून। आचार्य बिपिन जोशी ने कहा श्रावण मास में एक वृक्ष लगाने और उसकी उचित देखभाल करने पर धर्म अर्थ काम और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

आज यहां संस्कार परिवार देहरादून द्वारा माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव में आध्यात्मिक गुरू आचार्य बिपिन जोशी के पावन सानिध्य में हरेला पर्व पर पवित्र श्रावण मास भर चलने वाले वृक्षारोपण अभियान का भव्य शुभारंभ किया गया। आचार्य बिपिन जोशी ने कहा श्रावण मास में एक वृक्ष लगाने और उसकी उचित देखभाल करने पर धर्म अर्थ काम और मोक्ष की प्राप्ति होती है। उन्होने प्रकृति को ईश्वर का साक्षात स्वरूप बताते हुए उसके सरंक्षण

और संवर्द्धन पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया। आज माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव देहरादून में हरियाली अभियान चलाया गया, कल श्री धोलेश्वर महादेव मंदिर ग्राम धोलास में बृहद वृक्षारोपण अभियान के साथ-साथ हरिद्वार से लाए गए पवित्र गंगा जल से भगवान श्री धोलेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया जाएगा। आज के कार्यक्रम में गोवर्धन सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज धर्मपुर की शिक्षिकाओं हेमा राणा, सरोज कपरवान, निर्मला भट्ट, नेहा बिजलवाण, सरमिला गोसाई, आदि का विशेष सहयोग रहा।

बेड खरीदते से पहले इन बातों पर दें ध्यान, होगा सही चयन

एक बेड को चुनना उतना ही मुश्किल काम है, जितना कि चावल में से कंकड बिनना। यह सिर्फ एक मजाक था, लेकिन बेड एक महत्वपूर्ण चीज है क्योंकि यह न सिर्फ बेडरूम की शोभ बढ़ाता है बल्कि आपको आराम भी देता है। वैसे आजकल मार्केट में कई तरह के बेड है, लेकिन सही वही होगा, जो आपके बेडरूम के लिए सही होगा। आइए जानते हैं कि बेडरूम के हिसाब से किस तरह के बेड का चयन करना बेहतर है।

कमरे के साइज पर दें ध्यान

आप चाहें किसी फर्नीचर मार्केट जाकर बेड खरीदने वाले हो या ऑनलाइन, इससे पहले अपने उस कमरे की जगह को अच्छे से माप लें, जहां आप बेड रखने वाले हैं। यह काम इंची टेप की मदद से आसानी से हो सकती है, लेकिन अगर आपके पास इंची टेप नहीं है और आपके कमरे में टाइल लगी हैं तो उनकी लंबाई और चौड़ाई के हिसाब से गिनती करके उस फर्श की जगह को मापें, जिस पर आपका बेड रखा जाएगा।

स्पेस होना है जरूरी

अगर आपको अपने कमरे को अच्छा-खासा स्पेस वाला बनाना है तो अपने बेड को कोने में दीवार के पास रखें। हालांकि, इस बात का ध्यान रखें कि आपके कमरे या बाथरूम का दरवाजा बेड के करीब न हो क्योंकि इससे आपको उसे पूरी तरह से खोलने या बंद करने में दिक्कत आ सकती है। अगर आप अपने बेड के आस-पास स्पेस चाहते हैं तो इसे एक खिड़की के पास रखें।

किस साइज का बेड चुनें?

अगर आप दो लोगों के हिसाब से बेड खरीदने वाले हैं तो आपके लिए क्यून साइज बेड खरीदना करना अच्छा है। हालांकि, अगर आप तीन या चार लोगों के हिसाब से बेड खरीदने वाले हैं तो इसके लिए किंग साइज का चयन करें। वैसे आजकल फर्नीचर मार्केट में कई तरह के साइज में बेड उपलब्ध है, जिन्हें आप अपनी पसंद और जरूरत अनुसार खरीद सकते हैं।

गुणवत्ता का भी रखें ध्यान

विशेषज्ञों की मानें तो हमेशा बेड खरीदते समय सिर्फ इसकी सुंदरता पर ध्यान न दें बल्कि इसकी गुणवत्ता को भी महत्व दें। ऑनलाइन ग्राहक के तौर पर आपके लिए यह जानना जरूरी है कि अगर अगले कुछ दिनों में ही बेड के साथ कोई समस्या आ जाए तो उसे ठीक करवाने के लिए आप क्या सकते हैं या फिर उसकी एक्सचेंज पॉलिसी क्या है आदि। वहीं, शिफ्टिंग चार्ज, डिलीवरी टाइम इन चीजों को भी जरूर देखें। (आरएनएस)

संगीत सुनने से सेहत को मिलते हैं चौकाने वाले फायदे

वर्तमान समय में भागदौड़ भरी जिंदगी है और काम का वजन इतना अधिक बढ़ गया है कि मानसिक तनाव बढ़ने लगा है। वहीं बीते समय से कोरोना के चलते मानसिक तनाव की समस्याएं भी काफी सामने आई है। इसी के साथ अगर आप भी तनाव महसूस कर रहे हैं तो इसके लिए म्यूजिक या संगीत सुनना काफी बेहतर विकल्प माना जा सकता हैं। आज विश्व संगीत दिवस है। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं क्या है संगीत सुनने के फायदे।

संगीत सुनने से सेहत को होने वाले खास फायदे-

- म्यूजिक की धुन हमारे मन और मस्तिष्क पर शांत प्रभाव पैदा करती है। जी हाँ और अगर आप मानसिक शांति चाहते है, तो म्यूजिक का सहारा लें।

- अगर आपका दिमाग खराब रहता है, चिड़चिड़ापन महसूस कर रहे है, तो नियमित रूप से भी आप म्यूजिक सुन सकते है।

- अगर आप अकेलापन महसूस करते हैं, तो संगीत को अपना साथी बना सकते है। मानसिक तनाव की सबसे अहम वजह अकेलापन होती है जब आपके पास ऐसा कोई नहीं जिनसे आप अपनी मन में चल रही परेशानियों को बता सकें, तो उस वक्त आप म्यूजिक का सहारा ले सकते हैं।

- संगीत की धुन कान में पड़ने से अच्छा महसूस करवाने वाले सेरोटोनिन और एंडोरफिन्स हार्मोन रिलीज होने लगते हैं।

- आज के समय में डिप्रेशन एक गंभीर समस्या है, और म्यूजिक इसके लिए काफी फायदेमंद साबित होता है।

- म्यूजिक थैरेपी स्ट्रेस फ्री रहने में मदद करती है, और एन्जाइटी की समस्या से बचाने में सहायक है।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

बिना थ्रेडिंग और ब्लीच के पाएं अनचाहे बालों से छुटकारा

चेहरे पर अनचाहे बाल आपकी खूबसूरती पर एक दाग की तरह होते हैं। इन बालों को हटाने के लिए कई महिलाएं थ्रेडिंग का सहारा लेती हैं तो कुछ ब्लीच और दूसरे अलग-अलग तरीकों का इस्तेमाल करती हैं। इससे आपके चेहरे पर बालों के दिखने की समस्या तो दूर हो जाती है, लेकिन कई बार ये तरीके आपको नुकसान भी पहुंचाते हैं। चेहरे के बालों के पीछे हार्मोनल बदलाव हो सकते हैं। जब किसी महिला के शरीर में एंड्रोजन की मात्रा बढ़ जाती है तो उसके चेहरे और शरीर के अन्य हिस्सों में अनचाहे बाल आने लगते हैं। इसके अलावा आनुवंशिकता और कुछ क्रीम और दवाओं के साइड इफेक्ट के कारण भी अनचाहे बालों की समस्या हो सकती है। आइए हम आपको बताते हैं कि कैसे आप घर बैठे आसानी से अनचाहे बालों से छुटकारा पा सकते हैं।

कच्चे पपीते को घर पर छीलकर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। अब इन टुकड़ों का पेस्ट बना लें। पेस्ट बनने के बाद इस पेस्ट में आधा चम्मच हल्दी पाउडर मिलाएं। इसके बाद तैयार पेस्ट को अपने चेहरे पर जहां बाल हैं वहां लगाएं और 15 मिनट बाद चेहरे की मसाज करने के बाद साफ पानी से चेहरा धो लें. कच्चे पपीते में पपैन होता है, जो बालों के रोम को फैलाता है। जिससे चेहरे के बाल झड़ने लगते हैं और इसके अलावा यह आपकी त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटाने का काम करते हैं। आप इस पैक का इस्तेमाल हफ्ते में दो या तीन बार कर सकते हैं।

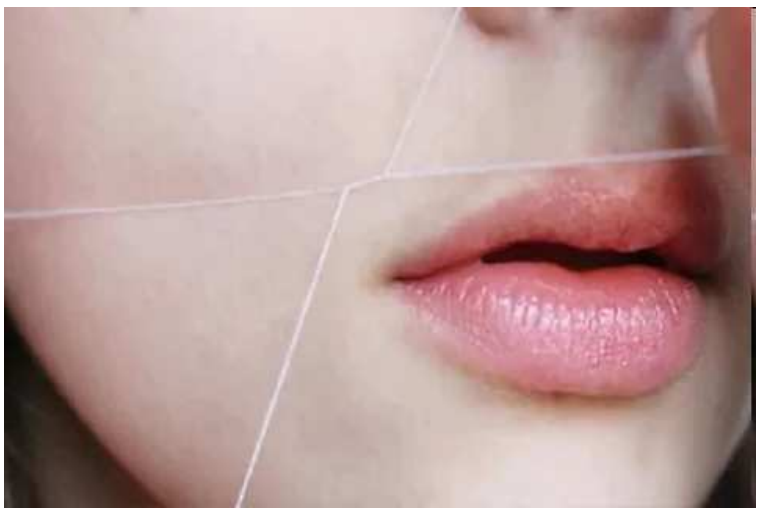

ओटमील में एवेनथ्रामाइड होता है, जो एक प्रकार का एंटीऑक्सीडेंट है। यह त्वचा में जलन और खुजली की समस्या को कम करता है। इसलिए इस ओटमील फेस पैक को स्क्रब की तरह इस्तेमाल करने से न सिर्फ आपके चेहरे से अनचाहे बाल निकलेंगे बल्कि त्वचा भी मुलायम बनेगी। इसके लिए पके केले का पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में ओटमील डालकर अच्छी तरह मिला लें। अब इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं और 15 से 20 मिनट तक मसाज करने के बाद ठंडे पानी से चेहरा धो लें।

आप 2 से 3 चम्मच नींबू का रस और चीनी लेकर उसमें शहद मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। अब आप इस पेस्ट को दो से तीन मिनट तक गर्म करें। गर्म करने के बाद यह मोम की तरह चिपचिपा हो जाएगा। अब इस पेस्ट को ठंडा होने दें। अगर पेस्ट ज्यादा गर्म हो जाए तो आप इसे पतला करने के लिए पानी मिला सकते हैं। जब मिश्रण थोड़ा ठंडा हो जाए तो बालों वाली जगह पर मक्के का आटा या मैदा लगाएं और फिर इस पेस्ट को वहां लगाएं। इसके बाद आप वैक्सिंग स्ट्रिप या कपड़े की मदद से बालों को हटा दें। यह वैक्सिंग की तरह ही काम करेगा। लेकिन इसमें इस्तेमाल होने वाली सभी सामग्रियां घरेलू होंगी जिसका आपकी त्वचा पर कोई साइड इफेक्ट नहीं होगा।

अंडे का सफेद भाग अनचाहे बालों को हटाने में मदद करता है। सबसे पहले अंडे को तोड़कर उसका सफेद भाग अलग कर लें। अब उस सफेद हिस्से में चीनी और मक्के का आटा मिलाएं। जब ये अच्छे से मिक्स हो जाए तो इस पेस्ट को बालों वाली जगह पर लगाएं और 20 मिनट के लिए सूखने दें। सूखने के बाद चेहरा धो लें। आप इसे हफ्ते में कम से कम दो बार इस्तेमाल कर सकते हैं। जिन लोगों के चेहरे पर या संवेदनशील त्वचा पर मुंहासे हैं, उनके लिए इसका इस्तेमाल न करें। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. व्याकुल, बेकल, बेकरार (उर्दू) 3. आश्रय, शरण 5. नाता, संबंध 7. आधुनिक इरान की भाषा, फारस का 9. संकल्प, मनौती 10. दर, फाटक, द्वार 12. बुरा एवं निकृष्ट कर्म करने वाला, गुंडा एवं लुच्चा 14. दल में शामिल 16. सिंचाई के लिए बना कृत्रिम जल मार्ग 17. भरोसा, मदद 18. बड़ा राजा, सम्राट, बादशाह 19. एक ग्रह, सप्ताह का एक दिन 20. पत्नी, बीवी 21. गड्ढा, खाई 22. वर, देवता और ऋषियों द्वारा प्राप्त फलसिद्धी.

ऊपर से नीचे

1. कृतघ्न, धोखा देने वाला (उर्दू)2. बेटी की बेटी, नातिन, अस्सी से नौ अधिक 3. एक घर में और एक के ही संरक्षण में रहने वाले लोग, एक ही पूर्व पुरुष में वंशज 4. कलेवा 6. अधीन, अधीनस्थ कर्मचारी 8. प्राप्ति, वस्तु आदि के मिलने का प्रमाण पत्र 9. सामर्थ्य, हिम्मत (उर्दू)10. विजयादशमी के दिन मनाया जाने वाला त्यौहार 11. कहना, उक्ति, दलील, अभियोग 12. वधु 13. मान में कमी करना, प्रतिष्ठा के विपरीत कार्य 15. गहनता, गूढ़ता, गहरा होने का भाव 17. शर्त सहित 18. गौरव, प्रतिष्ठा, मान, सीमा 20. वजन, बोझ.

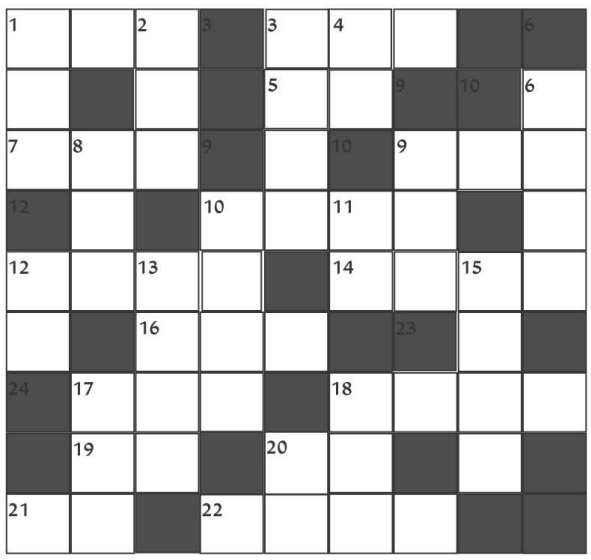

रा	ज	नी	ति	■	■	मा	द	क
ह	■	य	■	■	व	न्य	■	त्ल
त	ह	त	■	उ	त्स	व	■	■
■	क	■	■	म्र	■	र	■	मा
वि	दा	ई	■	द	■	■	■	ध
चा	र	■	■	रा	ब	ड़ी	दे	वी
र	■	रा	ह	ज	नी	■	व	■
णी	■	■	ल	■	स्ब	■	दा	सी
य	व	नि	का	■	त	र	स	ना

आप सभी को सांस्कृतिक धरोहर एवं उत्तराखण्ड के लोकपर्व हरेला की हार्दिक शुभकानाएं। हरेला पर्व सम्पन्नता, हरियाली एवं पर्यावरण को समर्पित है। आइये, इस शुभ अवसर पर हम सब मिलकर अधिक से अधिक संख्या में वृक्षारोपण करें, ताकि हमारी भावी पीढ़ी को एक हरा-भरा उत्तराखण्ड मिले। इस अनूठी परम्परा को आगे बढ़ाने में हम सबको मिलकर प्रयत्न करना होगा, ताकि एक स्वच्छ व सुन्दर भविष्य की कल्पना साकार हो सके।

जय हिन्द-जय उत्तराखण्ड

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

धरती पर हरियाली हो
जीवन में खुशहाली हो
आओ सब मिलकर पेड़ लगाएं

पर्यावरण सुरक्षित तो हम सुरक्षित

उत्तराखण्ड का लोकपर्व
एवं पर्यावरण को समर्पित

हरेला

16 जुलाई, 2022

की समस्त प्रदेशवासियों को

हार्दिक शुभकामनाएं

वर्ष 2022-23

हरेला पर्व पर वृक्षारोपण का लक्ष्य:	पूरे वर्ष वृक्षारोपण का लक्ष्य:	पूरे वर्ष फलदार वृक्षारोपण का लक्ष्य :
6 लाख 38 हजार	**2 करोड़ 25 लाख 23 हजार**	**45 लाख 5 हजार**

पर्यावरण का संरक्षण हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी। | www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

सर्द जापान में गर्मी व बुजुर्ग!

हरिशंकर व्यास

जापान में भीषण गर्मी है! इतनी की एसी की खपत से देश में बिजली का टोटा है। सरकार को बिजली बंद रखने का लोगों से आह्वान करना पड़ा। राजधानी टोक्यो में जून में पारा 35 डिग्री के आसपास था। कुछ शहरों में शुक्रवार को 40 डिग्री तापमान था। सोचें, धुर उत्तर के जापान में इतनी गर्मी! पर जापान ही क्यों जून में जापान के अलावा चीन, इटली, नार्वे, फिनलैंड आदि सब तरफ गर्मी रिकार्ड तोड़ थी। दक्षिणी चीन में गर्मी और बाढ़ से जून के महीने में जो बरबादी हुई है वह रिकार्ड तोड़ है। आमतौर पर उत्तरी ध्रुव के इन धुर उतरी देशों में जुलाई से अगस्त के महिनों में गर्मी के रिकार्ड टूटते हैं लेकिन इस साल जून से ही लोगों के पसीने छूटे हुए हैं। तभी लोगों के दिल-दिमाग में जलवायु परिवर्तन की चर्चा चौतरफा है।

बहरहाल, जापान पर लौटा जाए। जापान में रिकार्ड तोड़ गर्मी इसलिए चिंताजनक है क्योंकि यह देश सर्वाधिक बुजुर्गों को पालता हुआ है। स्वाभाविक है गर्मी से बुजुर्ग बेहाल होंगे। मगर जापान देश का कमाल देखिए कि एकल जीवन जीते हुए बुजुर्गों के लिए तुरंत अस्थायी सामूहिक कैंप बने। चौबीसों घंटे एसी और देख-रेख व खाने-पीने की व्यवस्था के साथ हॉल में इनडोर खेल, टीवी आदि की सुविधा! इस व्यवस्था की फुटेज को देख कर ध्यान आया कि पिछले सप्ताह कोई पांच हजार (अधिकांश 65 वर्ष से अधिक उम्र के) लोगों को लू लगने के कारण अस्पतालों में भर्ती कराया गया था लेकिन किसी की मृत्यु की खबर नहीं थी।

तभी गजब है जापान देश। हर स्थिति और विपदा में अपने नागिरकों को बचाने में समर्थ! जापान प्राकृतिक आपदाओं का मारा देश है लेकिन आपदा प्रबंधन ऐसा गजब है कि भूकंप हो या सुनामी या एटमी पॉवर प्लांट का हादसा, सभी में जान का नुकसान न्यूनतम मिलेगा! गर्मी, सर्दी, बाढ़, तूफान, सुनामी, भूकंप जैसी तमाम आपदाओं-विपदाओं में एक-एक नागरिक की जान मूल्यवान। जापान चारों और से समुद्र से घिरा है। इसलिए सोच सकते है कि तेज गर्मी और उमस की दोहरी मार में बूढ़े जापानियों पर कैसी गुजर रही होगी? लेकिन सत्य है कि तमाम शोर और चिंताओं के बीच बूढ़े लोग बेफिक्र हैं। इसलिए कि एक तो बूढ़े लोग अपने आप में समर्थ हैं। दूसरे जापानी समाज की बुनावट और सरकार का ऑटो मोड का ताना-बाना अपने आप सभी व्यवस्थाएं बनाते हुए होता है। इसलिए कितनी ही गर्मी पड़े, आपदा-विपदा आए मगर जापानियों में अकाल मृत्यु का न्यूनतम खतरा है।

कोई आश्चर्य नहीं जो जापान में जीवन प्रत्याशा सर्वाधिक है। नब्बे साल की उम्र सामान्य बात है। जापान में 29 प्रतिशत आबादी बुजुर्ग लोगों की है। साढ़े बारह करोड़ लोगों में कोई चार करोड़ लोग 65 साल की उम्र से अधिक के है। बाकी विकसित देशों अमेरिका और यूरोपीय देशों (कोई 20 प्रतिशत) के मुकाबले में यह बहुत ज्यादा। सभी पेंशन पाते हुए हैं। उस नाते जापान का नंबर एक संकट यह है कि कमाने वाले कम हैं और खाने वाले ज्यादा। कामकाजी नौजवान आबादी लगातार कम होते हुए है। एक अनुमान है कि सन् 2025 से 2040 के बीच कामकाजी (20-64 वर्ष की उम्र के लोग) आबादी घटते-घटते मुश्किल से एक करोड़ बचेगी। सन् 2000 में एक बुजुर्ग के पीछे 3.6 लोग कार्यशील थे। वह अनुपात सन् 2050 में घट कर 1.3 रह जाएगा। मतलब तब बहुसंख्यक आबादी बुर्जुग होगी।

तब बुर्जगों का निर्वहन कैसे होगा? जाहिर है वर्किंग और बुजुर्ग आबादी के अनुपात का मामला गंभीर है। वर्किंग लोगों पर टैक्स से ही जापान में बुजुर्ग व्यवस्था का रख-रखाव है। जापान में दो अहम टैक्स हैं। एक उपभोग टैक्स दूसरा बुजुर्गों के रख-रखाव का क्षतिपूर्ति टैक्स। देश की वर्किंग आबादी बुजुर्गों की पेंशन का प्रीमियम अपने वेतन पर 18.3 प्रतिशत टैक्स से भरती है। सोचें, कैसा समाज, जिसमें हर वर्किंग व्यक्ति (सरकारी-गैर-सरकारी सभी तरह के कर्मचारी) बुजुर्ग व्यवस्था के लिए यह जिम्मेवारी माने हुए हैं कि हमें उनकी व्यवस्था करनी है। बुजुर्ग समाज के लिए वर्किंग आबादी प्रीमियम भरती है तो सरकार की आमाद के मुख्य सोर्स उपभोग टैक्स में भी बुजुर्गों के बजट का बड़ा हिस्सा है। इस टैक्स की रेट फिलहाल दस प्रतिशत है लेकिन सन् 2050 तक बुजुर्गों की बढ़ने वाली आबादी के अनुपात में जानकारों का मानना है कि इसे सन् 2040 तक 22 प्रतिशत और सन् 2050 में 30 प्रतिशत करना होगा। इस तरह पैसा जुटा कर और प्रतिवर्ष एक प्रतिशत की विकास दर से जापान भविष्य में अपने को चला पाएगा।

सो, समस्या है बुजुर्गों की आबादी। यों इक्कीसवीं सदी में सभी तरफ वह होने वाला है जो पिछली सदी में जापान में हुआ था तथा अमेरिका और यूरोपीय देशों में होता हुआ है। मतलब जन्म दर का घटना। मृत्यु दर कम और उससे अधिक जन्म दर कम! जापान में सन् 2010 आबादी का शिखर था। मौजूदा वक्त नई पीढ़ी व वर्किंग आबादी को इस तरह ढालते हुए है कि लड़के-लड़कियों में शादी की दिलचस्पी खत्म है। यदि शादी करेंगे तो भी उम्र गुजरने के बाद। इसलिए बच्चे पैदा होने की जन्म दर पैंदे पर है। जापान से ही अब दुनिया में यह ट्रेंड बनता लगता है कि नौजवान एकल जीवन जीने लगे हैं। वे अकेले रहते हैं। अकेले खाएंगे और अकेले घूमेंगे और मौज-मस्ती भी अकेले। यह जीवन पद्धति जापान की 'सुपर सोलो' संस्कृति है। शादी की जरूरत नहीं और न ही किसी के साथ साझा रहने की जरूरत। बच्चों का झंझट बनाने का तो खैर सवाल ही नहीं।

यह नई समाज रचना है। इसलिए कि जापान सामूहिक जीवन शैली और घर-परिवार के आग्रह वाला देश रहा है। लेकिन अब क्या तो बुजुर्ग और क्या नौजवान सब एकल जीवन में संतोष, वैयक्तिक सुख में उस परमानंद अवस्था का जीवन जीते हुए हैं, जिसका बोध शायद निजता में ही संभव है। अजीब सा मसला है। सोचें, कल्पना करें कि दूसरे महायुद्ध के विध्वंस के बाद जापानियों ने अपने और अपने देश को कैसे बनाया? खूब अनुशासित मेहनत की होगी। आधुनिक तकनीक को अपना कर उसने दुनिया को श्रेष्ठ औद्योगिक उत्पादन दिए। बीस सालों में जापान आर्थिकी में वैश्विक ताकत बना। तभी सभ्यता-समाज-संस्कृति और राष्ट्रीयता की स्वंयसिद्धि और गौरवसिद्धी की जापान की कहानी बेजोड़ है। विज्ञान-तकनीक-भौतिक उपलब्धियों की समझ में जापानियों की तासीर को इस बात से समझा जाए कि आबादी तथा वर्किंग आबादी के भावी सिनेरियो में वहां लोग यह सुझाव देते हुए हैं कि कोई बात नहीं तब तक रोबोट काम करने लगेंगे!

तब लोग क्या करेंगे? वही करेंगे जो आबादी के 29 प्रतिशत बुजुर्ग अभी कर रहे हैं। आम तौर पर रिटायर होने के बाद भी काफी बुजुर्ग काम करते हैं। सरकार 70 वर्ष की उम्र तक काम के पक्ष में है। सेहत के मामले में बाकी देशों के मुकाबले जापान की बुजुर्ग आबादी कमजोर नहीं है। जीवन शैली से वैसी बीमारियां नहीं हैं, जैसे बाकी देशों में होती हैं। 80 वर्ष की उम्र के आसपास यदि बुजुर्ग दंपत्ति में से कोई एक मरा तब भी दूसरे के लिए जीवन मुश्किल वाला नहीं क्योंकि हर व्यक्ति को अपना काम खुद करने की आदत है। उलटे लगता यह है कि बुजुर्गियत में जापानी लोग अधिक शारीरिक श्रम करते हैं। घर में बगिया बनाना, एक-एक पेड़ को अपनी कलाकारी से निखारना, जंगल-पहाड़, समुद्र किनारे फिशिंग, कुकिंग, कला, संगीत आदि के इतनी तरह के शगल हैं मानो विरासत के परमांनद में जीने के लिए ही जापान की बुजुर्ग आबादी है। शायद यह पीढ़ीगत भी है तभी वर्किंग नौजवान आबादी यह सोचते हुए बूढ़े लोगों के लिए टैक्स, प्रीमियम भरती है क्योंकि उन्हें भी पता है, वे भी चाहते हैं कि बुजुर्ग अवस्था में वे भी बेफिक्री से जीवन के अंतिम सालों का आनंद लें। 65 से 90 या सौ साल तक जीवन को जिंदादिली से जीयें न कि बुढ़ापे की चिंताओं से। तभी जापान इसलिए लाजवाब है क्योंकि वहां ऐसे लोग बड़ी संख्या में हैं, जो संतोष, सुकून और सुख की जिंदगी जी रहे हैं। 'क्वालिटी ऑफ लाइफ' के जुमले को अपनी जिंदगी से साकार बनाए हुए हैं। पृथ्वी पर ही स्वर्ग और मोक्ष भोग रहे हैं!

न्यायमूर्तियों की पीड़ा

अब चूंकि ऐसे मामलों पर जज सार्वजनिक टिप्पणियां कर रहे हैं, तो समझा जाता है कि बाहर से होने वाली आलोचना उन्हें अंदर तक परेशान कर रही है।

प्रधान न्यायाधीश जस्टिस एनवी रमना ने अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों को संबोधित करते हुए इस बात पर असंतोष जताया कि भारत में सरकार अपने हर कार्य पर न्यायपालिका की मुहर लगवाना चाहती है, जबकि विपक्ष चाहता है कि कोर्ट उसके एजेंडे के मुताबिक चले। जस्टिस रमना को यह याद दिलाने की जरूरत पड़ी की न्यायपालिका सिर्फ संविधान के प्रति जवाबदेह है। उसके बाद सुप्रीम कोर्ट के ही न्यायाधीश जस्टिस जेबी पारडीवाला ने एक भाषण में कहा कि जजों की उनके फैसलों के कारण निजी आलोचना से एक खतरनाक स्थिति बन रही है, जिसमें जज फैसला देने से पहले सोचेंगे कि मीडिया क्या कहेगा, बजाय इसके कि कानून क्या कहता है। उन्होंने सोशल मीडिया पर होने वाली आलोचना को रोकने के उपाय करने की सलाह भी सरकार को दी है। जस्टिस पारडीवाला उन दो जजों में हैं, जिन्होंने पिछले हफ्ते भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नुपूर शर्मा के खिलाफ कड़ी टिप्पणियां की थीं। उन टिप्पणियों के बाद से सोशल मीडिया पर सत्ताधारी दल के समर्थकों की तरफ से विषैला अभियान चलाया गया है। उसके पहले जकिया जाफरी मामले में फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने जो टिप्पणियां कीं, उनसे उसे लिबरल खेमे की आलोचना का निशाना बनना पड़ा।

अब चूंकि ऐसे मामलों पर जज सार्वजनिक टिप्पणियां कर रहे हैं, तो समझा जाता है कि बाहर से होने वाली आलोचना उन्हें अंदर तक परेशान कर रही है। बेशक न्यायपालिका- या किसी संवैधानिक संस्था पर इस तरह के हमले उचित नहीं हैं, जिनसे उनके प्रति जन अविश्वास बढ़े। लेकिन ऐसा नहीं लगता कि आज जो माहौल है, उसमें इसे रोकने का कोई बाहरी उपाय है। इसका उपाय संभवत: सिर्फ यही है कि न्यायपालिका अपने को संवैधानिक कसौटियों पर खरा रखे। अब यह जजों- बल्कि न्यायपालिका से जुड़े सभी हितधारकों के लिए आत्म-निरीक्षण का वक्त है कि क्या न्यायपालिका हाल के वर्षों में इन कसौटियों पर खरी उतरी है? अगर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाएं महीनों लंबित रहती हैं, संविधान के मूल ढांचे से संबंधित सरकार के कदमों के खिलाफ दायर याचिकाएं ठंडे बस्ते में पड़ी रहती हैं, और न्यायपालिका की नाक के नीचे मूलभूत निजी अधिकारों के हनन की शिकायत गहराती जाती है, तो न्यायमूर्तियों को इस प्रश्न का उत्तर अवश्य ढूंढना चाहिए कि इसके लिए कौन उत्तरदायी है? (आरएनएस)

खतरों के खिलाड़ी 12 के बाद जन्नत जुबैर को मिला दो बड़े रिएलिटी शोज का ऑफर

इस समय केप टाउन में खतरों के खिलाड़ी 12 की शूटिंग कर रही हैं। जन्नत जुबैर इस साल खतरों के खिलाड़ी 12 में भाग लेने वाली सबसे कम उम्र की एक्ट्रेस हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने बॉलीवुड लाइफ से बात करते हुए कई अपडेट्स साझा किए हैं।

जन्नत रोहित शेट्टी के स्टंट-आधारित रिएलिटी टीवी शो का हिस्सा बनकर बेहद उत्साहित हैं। इस बीच जब एक्ट्रेस से पूछा गया कि खतरों के खिलाड़ी 12 के बाद आने वाले रिएलिटी शोज के तैयार हैं तो एक्ट्रेस ने बड़ी चालाकी से जवाब दिया है।

जन्नत जुबैर पहली बार रिएलिटी टीवी स्पेस में एंट्री कर रही हैं। वह पहले भी रिएलिटी टीवी शो में दिखाई दे चुकी हैं लेकिन उन्होंने हिस्सा नहीं लिया था।

जब जन्नत से पूछा गया कि क्या वह अगले सीजन में सलमान खान के बिग बॉस में भाग लेंगी या झलक दिखला जा जैसे डांसिंग शो में भाग लेंगी तो एक्ट्रेस ने जवाब दिया, मैंने अभी इस बारे में सोचा नहीं है। हालांकि जन्नत मानती हैं कि खतरों के खिलाड़ी 12 के साथ रिएलिटी टीवी स्पेस में एंट्री करना उनके लिए सबसे अच्छी बात है।

राष्ट्रपति चुनाव का मुद्दा

संभवत: द्रौपदी मुर्मू भारत की पहली आदिवासी राष्ट्रपति बन जाएंगी। लेकिन जमीनी सच्चाई यह है कि देश में आदिवासियों के खिलाफ अत्याचार बढ़ता ही जा रहा है।

राष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा की सत्ता पक्ष की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू से यह मांग दिलचस्प है कि वे रबर स्टांप राष्ट्रपति नहीं बनेंगी। सिन्हा चूंकि उनके प्रतिद्वंद्वी हैं, इसलिए मुर्मू को इस मुद्दे पर कठघरे में खड़ा करने की उनकी रणनीति समझी जा सकती है। लेकिन अगर इस मांग का सार ढूंढने की कोशिश की जाए, तो असल सवाल यह उठेगा कि आखिर मुर्मू को सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी ने किस आधार पर देश के सर्वोच्च पद के लिए उम्मीदवार बनाया है। संभवत: राजनीति में उनकी कम पहचान (लो प्रोफाइल) और आदिवासी समुदाय से उनका आना ये दो पहलू हैं, जिनकी वजह से निर्णय उनके पक्ष में गया। इन दोनों आधारों पर राष्ट्रपति उम्मीदवार का चयन सिर्फ भाजपा ने किया हो, यह नहीं कहा जा सकता। बल्कि उसके पहले भी इसका एक इतिहास है। बहरहाल, ना तो पहले ऐसा हुआ और ना अब ऐसा होगा कि किसी प्रतीकात्मक कारण से ऊंचे पद पर किसी को बैठा देने से किसी समुदाय विशेष का भला होगा- या चूंकि वह व्यक्ति उपेक्षित और शोषित माने जाने वाले समुदाय से आता है, इसलिए उससे किसी अलग प्रकार के राजनीतिक व्यवहार की उम्मीद रहेगी।

भाजपा संभवत: राष्ट्रपति पद के लिए अपने उम्मीदवार को जिताने के लिए आंकड़े जुटा लेगी। इस तरह द्रौपदी मुर्मू भारत की पहली आदिवासी राष्ट्रपति बन जाएंगी। लेकिन जमीनी सच्चाई यह है कि देश में आदिवासियों के खिलाफ अत्याचार बढ़ता ही जा रहा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो दलितों और आदिवासियों के खिलाफ अपराध के अलग से आंकड़े इकठ्ठा करता है। ब्यूरो की रिपोर्टें हकीकत का पर्दाफाश करती हैं। ब्यूरो की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक 2020 में देश में अनुसूचित जनजाति के लोगों के साथ अत्याचार के 8,272 मामले दर्ज किए गए, जो 2019 के मुताबिक 9.3 प्रतिशत का उछाल है। अभी तीन दिन पहले ही मध्य प्रदेश में एक आदिवासी महिला पर जमीन के विवाद को लेकर कुछ लोगों ने उनके खेत में हमला किया और उनके शरीर पर डीजल छिड़क कर आग लगा दी। प्रश्न है कि रामप्यारी जैसी महिलाओं को मुर्मू के राष्ट्रपति बनने से क्या मिलेगा? मौजूदा चुनाव के संदर्भ में यही सवाल सबसे अहम है, जिसे बार-बार पूछा जाना चाहिए।(आरएनएस)

नवजात की मौत के लिए जिला प्रशासन की लापरवाह हैली प्रबंधन सेवा जिम्मेदार: मर्तोलिया

नगर संवाददाता

मुनस्यारी। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने ग्राम पंचायत पातो निवासी लक्ष्मी देवी पत्नी श्याम सिंह के नवजात की मौत के मामले में जिला प्रशासन की लापरवाह हैली प्रबंधन सेवा को दोषी ठहराया। कहा कि दस मिनट में पहुंचने वाला हैली सवा दो घंटे बाद पहुंचा। मर्तोलिया ने कहा कि जिला प्रशासन ने आपदाकाल से पहले गर्भवती महिलाओं को सूचिबद्ध कर सुविधाजनक स्थान पर रखने के अभियान की पोल खुल गई है। उन्होंने बताया कि दस बजे प्रशासन को इसकी सूचना दी गई थी। धारचूला से पातो दस मिनट में हैली पहुंच जाती है, उसे सवा दो घंटे लग गए। उन्होंने बताया कि गर्भवती महिला तड़पती रही। पौने दो घंटे तड़पते हुए महिला ने नवजात को जन्म तो दिया, लेकिन तब तक उसकी सांसें बंद हो गई थी। इस आपराधिक लापरवाही पर जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने तीखा बयान दिया। उन्होंने कहा कि दस साल से हम मांग कर रहे है कि आपदाकाल में राज्य सरकार द्वारा मिलने वाले हैली को पिथौरागढ़ में खड़ा कर वहीं से संचालन किया जाय। तभी मुनस्यारी में आपदाकाल में इसका लाभ मिल पाएगा। मर्तोलिया ने कहा कि धारचूला में आपदाकाल के लिए आएं इस हैली का टैक्सी की तरह उपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि अगर यह हैली जिले के लिए आया है तो इसे पिथौरागढ़ में रखकर संचालित किया जाए। नहीं तो मुनस्यारी के लिए अलग हैली इसी तहसील में खडा किया जाए। उन्होंने कहा कि हैली सेवा मुनस्यारी के लिए है कि नहीं इस पर भी जिला प्रशासन अधिकारिक बयान जारी करें। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन ने एक सप्ताह के भीतर इस हैली के प्रबंधन पर नयी व्यवस्था नहीं बनाई तो वे जिला प्रशासन के खिलाफ धरना प्रदर्शन करेंगे।

उक्रांद युवा प्रकोष्ठ ने दिया एसपी सिटी को ज्ञापन

नगर संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड क्रांति दल युवा प्रकोष्ठ के निवर्तमान केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र सिंह बिष्ट के नेतृत्व मे आज यू ट्यूब मे प्रचारित ठुमका नाम से निर्माता एवम् निर्देशक एवम् मुख्य कलाकारों के के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग को लेकर एस पी सिटी सरिता डोभाल को ज्ञापन सौपां गया। ज्ञापन के माध्यम से बिष्ट ने कहा कि उत्तराखण्ड मे गढ़ रत्न नरेन्द्र सिंह नेगी और गोपाल बाबू गोस्वामी जैसे गायकों ने उत्तराखण्ड संगीत को नई ऊचाइयों तक पहुँचाने का कार्य किया, राष्ट्रीय दलों पर गीतों के जरिये कटाक्ष किया, लेकिन आज कुछ कलाकारों द्वारा उत्तराखण्ड की संस्कृति मे अश्लीलता को परोसकर गढ़वाली गीतों के माध्यम से बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है, साथ ही मुख्य कलाकारों द्वारा पिस्टल एवम् दारू की बोतल को और शराब को महिला कलाकार के ऊपर डाल कर राज्य की महिलाओ के सम्मान को ठेस पहुँचाने का कार्य किया गया है, इसके साथ ही नृत्य मे अश्लील भाव भंगिमाओ को दिखाकर पाश्चत्य संगीत की नकल की गयी है। उन्होने कहा कि राज्य में कई ऐसे महत्वपूर्ण विषय है जिनको लेकर आप समाज को अपने संगीत एवम् गीतों के माध्यम से बेहतरीन संदेश दे सकते हैं, इस प्रकार के वीडियो गीत के माध्यम से तमंचे को लहराकर इनके खिलाफ आर्म एक्ट मे उचित धाराओ पर केस दर्ज होना चाहिए। युवा प्रकोष्ठ के निवर्तमान केंद्रीय महामन्त्री बृज मोहन सजवाण ने कहा की इस प्रकार से सस्ती लोकप्रियता एवम् अश्लीलता फैलाने वाले कलाकारों का सामाजिक विरोध होना चाहिए साथ ही इस प्रकार के कोरियोग्राफर एवं मुख्य कलाकारों के साथ ही निर्माता निर्देशक के खिलाफ कड़ी कारवाई होनी चाहिए! ज्ञापन देने वालों मे निवर्तमान केंद्रीय महामंत्री जय प्रकाश उपाध्याय, उक्रांद युवा प्रकोष्ठ के प्रवीन रमोला, रविंद्र ममगाई, बृज मोहन सजवाण, अंकेश भंडारी सहित कई लोग उपस्थित थे।

बदले गए दून के डीएम व एसएसपी

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

डीएम पद से हटा तो दिया गया है लेकिन उन्हें अभी नई तैनाती नहीं दी गई है और उनका नाम प्रतीक्षा सूची में डाल दिया गया है। वही डीआईजी जन्मेजय खंडूरी को भी एसएसपी पद से हटा कर उन्हें पीएसी भेज दिया जाना उनके डिमोशन के तौर पर ही देखा जा रहा है। उनकी जगह नए एसएसपी दून बनाए गए दिलीप सिंह कुंवर अपनी बेदाग छवि और बेबाक कार्य प्रणाली के लिए जाने जाते हैं वह उधमसिंह नगर सहित कई जिलों में एसएसपी पद पर रह चुके हैं। यूं तो अधिकारियों का बदला जाना आम प्रक्रिया है लेकिन मामला राजधानी से जुड़ा है इसलिए भी इन तबादलों को लेकर चर्चाएं आम है।

दुकानों के गल्ले से नगदी चुराने वाला शातिर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। दुकानदारों की नजर बचाकर अलग-अलग दुकानों के गल्ले से नगदी चोरी करने वाले एक शातिर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी हरियाणा निवासी है जो दुकानों से अब तक लाखों रूपये की चोरी कर चुका था। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर चुराये गयी कुछ नगदी भी बरामद की है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज वाजिद पुत्र अखलाख निवासी खेलपुर द्वारा थाना भगवानपुर में तहरीर देकर बताया गया कि जब मैं अपनी परचून दुकान पर ग्राहको को सामान दे रहा था, तभी एक अज्ञात व्यक्ति मेरी दुकान पर आया जिसने मुझसे पैन मांगा मैने गल्ले के ऊपर रखे पैन की तरफ इशारा किया तो उसने पैन उठाने के बहाने मेरे गल्ले में रखे 7-8 हजार रूपये की नगदी निकाल ली गयी। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोर की तलाश शुरू कर दी। चोर की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा बीती रात एक सूचना के बाद उक्त चोरी में शामिल उस्मान पुत्र स्व. सोनू निवासी ग्राम हमिद्दा, जिला यमूनानगर हरियाणा को गल्ले से चोरी किये गये 7480 रूपये सहित सिकरौढा चौक के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उसने बताया कि मैं यमुनानगर हरियाणा का रहने वाला हूं, मेरे माता पिता की मृत्यु हो चूकी है मैं कुड़ा बिनकर व थोडी बहुत चोरी कर अपना जीवन यापन करता रहता हूं।

मैं रेलवे स्टेशन रुडकी के पास झुग्गी झोपडी डालकर रह रहा हूं। बताया कि आज मैं भगवानपुर मे आया था भगवानपुर में ही एक परचुन की दुकान पर मैने पैन लेने के बहाने दुकानदार के गल्ले मे रखे सात-आठ हजार रुपये चुरा लिये थे। पुलिस ने जब आरोपी से सख्ती से बात की तो उसने बताया कि मैं चोरी कर के ही अपना पेट पाल रहा हूं। मैने इससे पहले 1 जुलाई को चौल्ली शहाबुद्दीन स्थित एक सिमेन्ट की दुकान के गल्ले से भी लगभग एक लाख रुपये चोरी किये थे उस समय दुकान में मालिक मौजूद नही था। उन एक लाख रुपयो में से लगभग मैने 90 हजार रुपये खर्च कर दिये है तथा बचे हुए लगभग दस हजार रुपये मैने जहां पर मै रहता हूं वहां रखे हुए है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर चुराये गये 10 हजार की नगदी बरामद कर ली है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

एक करोड की धोखाधडी में 6 लोगों पर केस दर्ज

संवाददाता

देहरादून। सम्पत्ति बेचने के नाम पर एक करोड बीस लाख रूपये लेकर धोखधडी कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने छह लोगों को नामजद कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सिनर्जी अस्पताल बल्लूपुर रोड निवासी कमलकांत गर्ग ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पहचान विजय पार्क निवासी अमित सेठ व कविता सेठ से हुई। दोनों ने उसको निरंजनपुर स्थित एक मकान बेचने की बात की। जिसके बाद अमित सेठ कविता सेठ के साथ पण्डितवाडी निवासी सुमन वासन पत्नी यशपाल वासन, मौहम्मद तैयब, अनवर अली व मौहम्मद शोयब ने मिलकर उसको मकान दिखा जिसका सौदा एक करोड 35 लाख में तय हुआ। उसने उनको एडवांस में एक करोड बीस लाख रूपये दे दिये तथा एग्रीमेंट तैयार किया गया। उसके बाद उसको रजिस्ट्री ना करके उक्त मकान को किसी अन्य को बेचने की तैयारी कर कूटरचित दस्तावेज तैयार कर लिये। वह जब भी रजिस्ट्री के लिए कहता तो वह टाल मटोल करने लगते। उसने जब उक्त लोगो से अपने पैसे वापस मांगे तो उन्होंने उसके साथ गाली गलौच करते हुए जान से मारने की ध मकी दी।

बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर 18 जुलाई को होगा थाने का घेराव: धीरेन्द्र

नगर संवाददाता

पौड़ी। उत्तराखंड कांग्रेस के उपाध्यक्ष और वरिष्ठ प्रवक्ता धीरेंद्र प्रताप ने पौड़ी गढ़वाल के रिखणीखाल विकासखंड में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री से क्षेत्र के तमाम पुलिस अधिकारियों और पुलिसकर्मियों के तबादला किए जाने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में जिस तरह से पिछले कई दिनों से लोगों की हत्याएं व लूटपाट की घटनाएं हो रही है, जिस पर पुलिस का खामोश रवैया बहुत ही चिंताजनक है। उन्होंने पुलिस कर्मियों को निकम्मा और अक्रमण्य बताते हुए क्षेत्र के थाने के तमाम कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। धीरेंद्र प्रताप ने बताया कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं

ने पुलिस की इस हीलाहवाली के विरुद्ध 18 जुलाई को रिखणीखाल थाने के घेराव का फैसला किया है। जिसका नेतृत्व कांग्रेस की पूर्व प्रमुख रिखणीखाल प्रिया पिंकी नेगी करेंगी। उन्होंने बताया की उस दिन समय प्रात: दस बजे रिखणीखाल प्रखंड के मंदाल घाटी के तमाम गाँवों के पुरूष, महिला व नवयुवकों द्वारा प्रिया पिंकी नेगी के नेतृत्व में एक विशाल जन समर्थन,आक्रोश रैली रिखणीखाल थाना के घेराव के लिए कूच करेगी। जिसमें रिखणीखाल क्षेत्र में दिन प्रतिदिन कानून व्यवस्था चरमराने व गडबडाने को कांग्रेस निशाना बनाएगी। धीरेंद्र प्रताप ने बताया कि अभी डेढ माह पूर्व ग्राम कालिन्को,कर्तिया निवासी रामपाल सिंह उर्फ कालू पुत्र कृपाल सिंह नेगी का अज्ञात व नामजद युवकों ने मर्डर कर दिया था। प्राथमिक सूचना रिपोर्ट देने के एक डेढ माह बाद भी रिखणीखाल पुलिस किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुँची, तथा पुलिस कार्यशैली में लापरवाही व अकर्मण्यता नजर आ रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में स्थानीय जनता ने आक्रोश रैली निकाल कर रिखणीखाल थाने का घेराव होगा।

एक नजर

पीएम मोदी ने किया बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण

जालौन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के लिए उत्तर प्रदेश के जालौन में हैं। चित्रकूट से इटावा को जोड़ने वाले 296 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेस का उद्घाटन करने का बाद प्रधानमंत्री ने एक जनसभा को भी संबोधित किया। जनसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ की जमकर तारीप की। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि ये मोदी-योगी सरकार है, हम विकास को सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं रखते बल्कि गांवों तक ले जाते हैं। पीएम मोदी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पहले की सरकारों में राज्य की कानून व्यवस्था और कनेक्टिविटी दोनो खराब थीं। हमने दोनो में सुधार किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कानून व्यवस्था और कनेक्टिविटी दोनो में सुधार के बाद उत्तर प्रदेश अब किसी भी चुनौती से निपटने और विकास के रास्ते पर आगे बढ़ने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे से चित्रकूट से दिल्ली की दूरी तो 3-4 घंटे कम हुई ही है, लेकिन इसका लाभ इससे भी कहीं ज्यादा है।

आरएसएस प्रचारक के साथ मारपीट मामले में 8 पुलिसकर्मियों के खिलाफ केस दर्ज

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में आरएसएस के प्रचारक के साथ मारपीट और अभद्रता का मामले में जिला पुलिस ने सख्त एक्शन लिया है। इस मामले में आरएसएस प्रचारक की शिकायत पर दो पुलिसकर्मियों और 6 कॉन्स्टेबल समेत 8 पुलिसकर्मियों के खिलाफ लूट समेत गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है। जानकारी के मुताबिक आरएसएस के मथुरा जिला प्रचारक आर्येंद्र कुमार अपनी मां को अस्पताल में देखने बाइक पर जा रहे थे और किसी का फोन आने पर वह बात करने लगे तो पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोका और फिर उसके साथ बदसलूकी की। इसके बाद पुलिसकर्मी उन्हें अपने साथ लेकर गए और उनके साथ मारपीट की। जानकारी के मुताबिक इंस्पेक्टर अंकित कुमार और इंस्पेक्टर सुनील कुमार भारद्वाज ने वर्दी की हनक दिखाते हुए संघ प्रचारक को पकड़कर उनकी जमकर पिटाई कर दी। इसके बाद इंस्पेक्टर 6 और पुलिसकर्मी उन्हें अपने साथ ले गए और उन्हें पुलिस जीप में डालकर बंद चीनी मिल में ले गए जहां पर सुनसान इलाके में उसे लाठी-डंडों और बंदूक के बटों से पीटा गया। यही नहीं पुलिसकर्मियों ने उन्हें एनकाउंटर की धमकी भी दी। सिटी एसपी रविंद्र कुमार थाना सुभाष नगर के रहने वाले हैं और उनकी शिकायत पर पुलिसकर्मियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

शिखर फॉल में गिरा किशोर, एसडीआरएफ ने किया शव बरामद

देहरादून (सं)। नहाते समय शिखर फॉल में किशोर के डुबने से वहां पर अफरा तफरी मच गयी। एसडीआरएफ टीम ने मौके पर पहुंच रेस्क्यू अभियान चला शव को बरामद कर लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज प्रात: डायल 112 देहरादून द्वारा समय आठ पर एसडीआरएफ को सूचित कराया गया एक कॉलर नाम अभिषेक थापा द्वारा बताया गया कि मालदेवता में एक लड़का नदी में डूब गया है। उक्त सूचना पर पोस्ट सहस्त्रधारा से रेस्क्यू टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। एसडीआरएफ रेस्क्यू टीम द्वारा गहन सर्चिंग कर पानी की गहराई में जा कर उक्त शव को बरामद कर जिला पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। मृतक का नाम - रोहित पुत्र रवि रावत उम्र 16 वर्ष निवासी विश्वनाथ एंक्लेव मयूर विहार देहरादून। उक्त किशोर अपने दोस्तों के साथ अल सुबह शिखर फॉल ,मालदेवता में घूमने आया था। घूमते हुए पानी मे जैसे ही उतरा तो गहराई का अंदाजा न होने के कारण अचानक ही डूबने लगा। साथियों ने बचाने की बहुत कोशिश की परन्तु तब तक वह पानी मे ओझल हो गया था।

मुख्यमंत्री धामी ने हरेला पर्व पर दी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं

हमारे संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज हरेला पर्व के अवसर पर महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज के निकट वन विभाग द्वारा आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पौधा रोपण किया साथ ही उन्होने प्रदेशवासियों को पर्यावरण संरक्षण को संस्कृति से जोड़ने वाले पारंपरिक पर्व हरेला की शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हरेला पर्व के तहत एक माह तक वृक्षारोपण अभियान चलाया जायेगा। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में निरंतर प्रयासों की जरूरत है। प्रत्येक जनपद में जल स्रोतों एवं गदेरों के पुनर्जीवन एवं संरक्षण के लिए कार्य किए जायेंगे। उन्होने कहा कि नदियों के संरक्षण एवं नदियों के पुनर्जीवन थीम पर इस वर्ष हरेला पर्व मनाया जा रहा है। कहा कि विकास एवं पर्यावरण में संतुलन होना जरूरी है। आने वाली पीढ़ी को शुद्ध पर्यावरण मिले, इसके लिए पर्यावरण संरक्षण सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड धर्म, अध्यात्म एवं संस्कृति का केन्द्र है। उत्तराखंड जैव विविधताओं वाला राज्य है, यहां का प्राकृतिक सौन्दर्य पर्यटकों को आकर्षित करता है। जिससे पर्यावरण संरक्षण के लिए उत्तराखंड की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। सभी को समर्पित भाव से प्रकृति संरक्षण की दिशा में आगे बढ़ना होगा।

❑वन विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग कर किया पौधा रोपण

इस मौके पर वन मंत्री सुबोध उनियाल ने हरेला पर्व की बधाई देते हुए इस पर्व को सांस्कृतिक धरोहर बताया। उन्होंने कहा पौधारोपण एवं प्रकृति के संरक्षण से ही हम शुद्ध हवा शुद्ध जल एवं अन्य प्राकृतिक लाभ ले सकते हैं। एक जागरूक नागरिक के तौर पर हमे अपने भविष्य को संवारना होगा एवं पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान देना होगा। उन्होने कहा कि पौधों के संरक्षण एवं प्रकृति कि स्वच्छता का कार्य प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं से विशेष आग्रह करते हुए पौधारोपण एवं स्वच्छता कार्यक्रमों पर ज्यादा से ज्यादा अपना सहयोग देने की बात कही। उन्होंने कहा कि हरेला पर्व पर प्रदेश में 15 लाख वृक्ष लगाए जायेंगे। जिनमें 50 प्रतिशत फलदार पौधे होंगे। इस अवसर पर मेयर सुनील उनियाल गामा, विधायक उमेश शर्मा काऊ, प्रमुख सचिव वन आर.के. सुधांशु, प्रमुख वन संरक्षक विनोद कुमार सिंघल, गढ़वाल कमिश्नर सुशील कुमार, जिलाधिकारी देहरादून डॉ. आर राजेश कुमार एवं वन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

मर्तोलिया ने पौधा रोपण कर किया हरेला कार्यक्रम का शुभारम्भ

नगर संवाददाता

मुनस्यारी। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने आज राजकीय इंटर कालेज मुनस्यारी में हरेला पर्व पर एक पौध रोपण कर हरेला कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पर्यावरण को बचाने के लिए हर नागरिक को नेचर के साथ सभ्यता पूर्वक व्यवहार करने की आदत डालनी होगी। कहा कि मानव जाति को बचाना है तो फिर हमें पर्यावरण को बचाना होगा। इस मौके पर रैंज अधिकारी लवराज सिंह पांगती, खंड शिक्षा अधिकारी हेम चन्द्र कश्यप, राइका के प्रधानाचार्य एके सिंह आदि अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

एक लाख की ऑनलाईन शापिंग कर दोस्त से की ठगी

संवाददाता

देहरादून। दोस्त ने ओटीपी नम्बर को जनरेट कर फिलिप कट से एक लाख की खरीदारी कर दोस्त से धोखाधडी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कैनाल रोड निवासी प्रशांत द्विवेदी ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 2019 मे उसने बजाज फाईनेंश से एक वशिग मशीन घर के लिये फाईनेंश करायी थी क्योकि उसके अपने नम्बर पर ओटीपी नही प्राप्त हो रहा था, उसने अपने साथी हिमांशु तिवारी का नम्बर अल्टर नेट के तौर पर बजाज वालो के सुझाव पर दिया जिसके लिये उसने बजाज फाइनेंस को अपने दोस्त की जानकार बताया था, अब बिना उसकी जानकारी के हिमांशु ने उसी नम्बर का इस्तेमाल करके एक ओटीपी जनरेट किया और फिलिप कट से ऑन लाईन 1,00000 (एक लाख) की शपिग कर डाली अब बजाज फाईनेंस वाले उसे बोल रहे कि वह इस लोन की भरपाई करो। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शराब के साथ दो गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहनों को सीज कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रानीपोखरी थाना पुलिस ने वीरपुर मोड पर चैकिंग के दौरान एक कार को रूकने का इशारा किया। कार चालक ने पुलिस को देखा तो उसको वापस मोडकर भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही रोक लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने कार की डिग्गी से चार पेटी शराब की बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम मुनित कुमार पुत्र कुंवरपाल निवासी बुग्गावाला हरिद्वार बताया। वहीं ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने जंगलात बैरियर के पास से एक एक्टिवा सवार को रोककर उसके कब्जे से 70 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम प्रवीण कश्यप पुत्र वेद सिंह निवासी हीरालाल मार्ग झुग्गी झोपडी गोविन्दनगर बताया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।